DURGA MAHAVIDYALAYA
RAILUR CHHATTISGARH

Topic : Returns To Scale
(पैमाने के प्रतिफल)

Class: B. A. Third semester

Aysha Parveen
Assistant professor
Department Of Economics

पैमाने के प्रतिफल का अर्थ:

- **पैमाने की प्रतिफल में इस बात का अध्ययन किया जाता है कि उत्पादन में लगे साधनों की अनुपात में तो परिवर्तन किए जाते हैं किंतु साधनों के मिलने के अनुपात स्थिर रहते हैं ऐसी दशा में उत्पादन की मात्रा में किस प्रकार का परिवर्तन होता है जब फर्म के पैमाने के परिवर्तन में उत्पादन की मात्रा पर पड़ने वाली प्रभावों का अध्ययन किया जाता है तो उसे पैमाने का प्रतिफल कहते हैं।**

पैमाने के प्रतिफल की विशेषताएं:-

- उत्पादन के सभी साधनों की मात्रा में वृद्धि की जाती है
- उत्पादन के सभी साधनों की मात्रा में एक ही या समान अनुपात में वृद्धि की जाती है
- साधनों की वृद्धि से फर्म के उत्पादन की मात्रा में जो परिवर्तन होता है उसे ही पैमाने का प्रतिफल कहा जाता है।
- पैमाने के प्रतिफल को केवल दीर्घावधि में देखा जाता है क्योंकि इस अवधि में सभी उत्पादन तत्व परिवर्तनीय होते हैं
- इनमें सभी उत्पादन कारकों को एक समान अनुपात में बढ़ाया जाता है जैसे कि श्रम और पूंजी दोनों को दोगुना करना।

- पैमाने के प्रतिफल पर तकनीकी दक्षता प्रबंधन क्षमता और संसाधनों की उपलब्धता का असर पड़ता है।
- उच्च उद्योग जैसे ऑटोमोबाइल या टेक्नोलॉजी में वृद्धि होते प्रतिफल आम होते हैं जबकि कृषि में अक्सर घटते प्रतिफल देखे जाते हैं।
- वृद्धि होते प्रतिफल में फर्म को उत्पादन की लागत में कमी और मुनाफे में वृद्धि की संभावना होती है।
- किसी बिंदु पर प्रतिफल घटने लगता है यह उद्योग तकनीक और प्रबंधन पर निर्भर करता है।

पैमाने के प्रतिफल के प्रकार:-

- पैमाने के वर्धमान प्रतिफल की अवस्था
- पैमाने के स्थिर प्रतिफल की अवस्था
- पैमाने के ह्रासमान की अवस्था

पैमाने के वर्धमान प्रतिफल

- पैमाने के वर्धमान प्रतिफल से तात्पर्य है कि उत्पादन के साधनों की मात्रा में वृद्धि करने पर उत्पादन में अनुपात से अधिक वृद्धि होती है इस पैमाने के वर्धमान प्रतिफल कहते हैं अन्य शब्दों में पैमाने के वर्धमान प्रतिफल का अर्थ है कि साधनों में वृद्धि की तुलना में उत्पादन में अधिक अनुपात में वृद्धि होती है उदाहरणार्थ यदि समस्त साधनों में 30% वृद्धि कर दी जाती है तथा इसके फल स्वरुप 50% उत्पादन बढ़ जाए तो उसे पैमाने के वर्धमान प्रतिफल कहा जाएगा।

ग्राफ:-

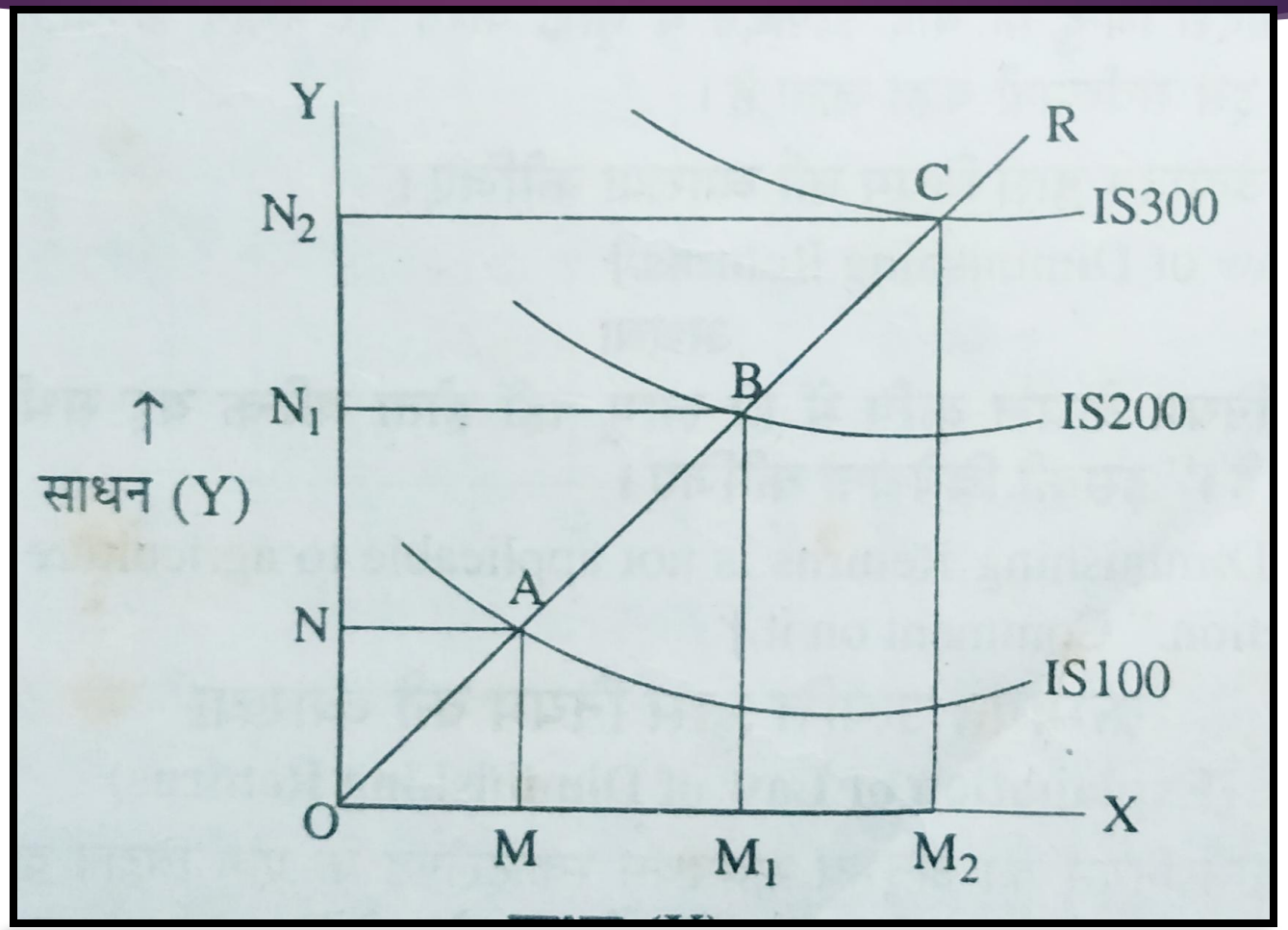

पैमाने का स्थिर प्रतिफल:-

- पैमाने के स्थिर या समान प्रतिफल के संबंध में कहा जाता है कि जब उत्पादन के सभी साधनों को एक ही अनुपात में बढ़ाया जाए तथा इस वृद्धि के फल स्वरुप यदि उत्पादन में भी उसी अनुपात में वृद्धि हो तो उसे स्थिर या सामान पैमाने का प्रतिफल कहा जाएगा। इसे एक उदाहरण द्वारा इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है यदि उत्पादन के सभी साधनों में 30% की वृद्धि की जाती है तथा इसके परिणाम स्वरुप उत्पादन में भी 30% की वृद्धि होती है तो इसे समान या स्थिर प्रतिफल कहा जाएगा अतएव उत्पादन में एक समान विधि से यह आवश्यक होता है कि यह प्रत्येक साधनों में भी वृद्धि भी समान रूप में की जाए जैसा की चित्र में स्पष्ट होता है ।

ग्राफ:-

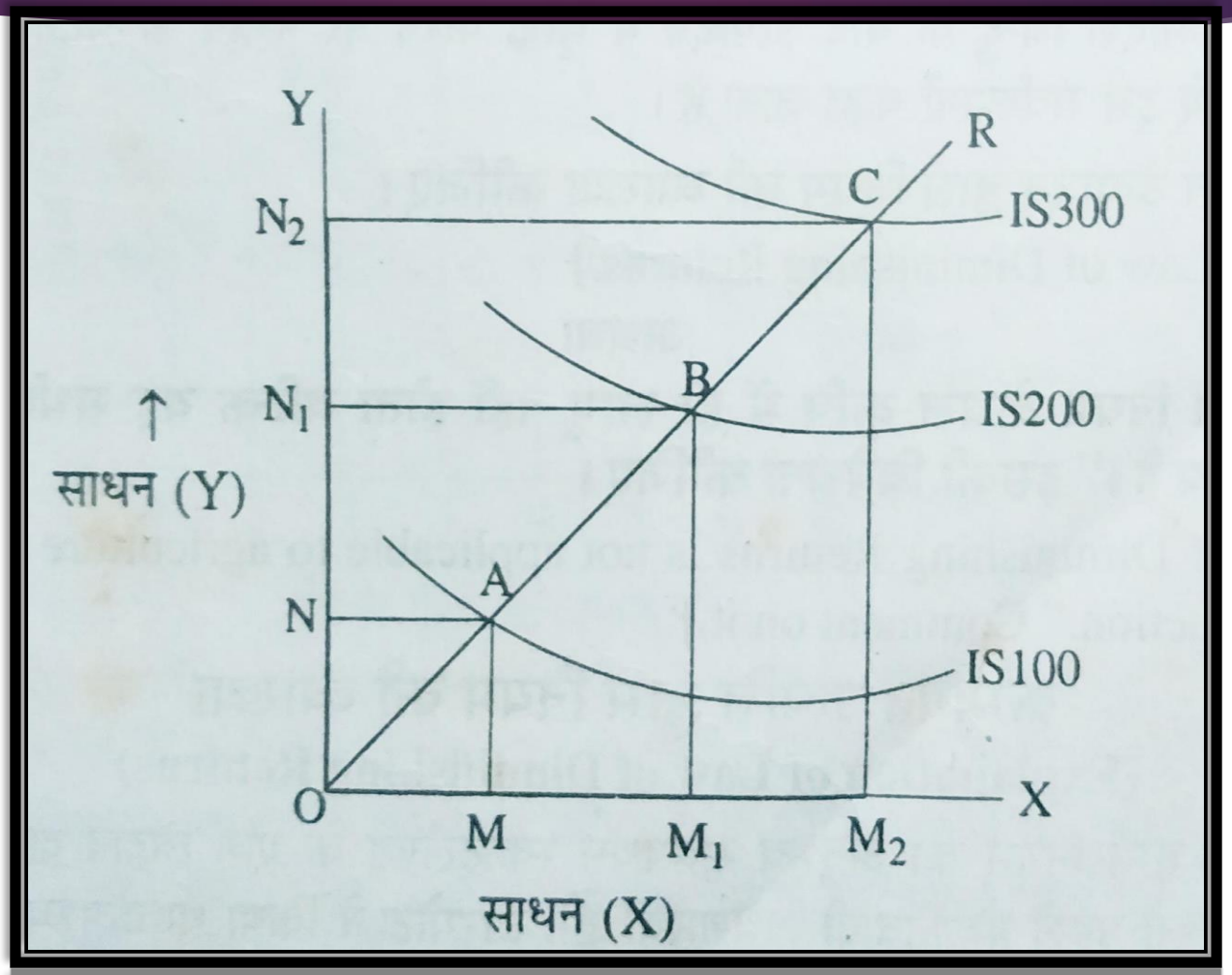

पैमाने का ह्रासमान प्रतिफल :

- जब उत्पादन के सभी साधनों में जिस अनुपात में वृद्धि की जाती है तो उससे कम अनुपात में उत्पादन में वृद्धि हो तो उसे पैमाने का ह्रासमान प्रतिफल कहा जाता है अन्य शब्दों में पैमाने का घटता प्रतिफल वह होता है जब साधनों में जिस अनुपात में वृद्धि की जाती है उसकी तुलना में उत्पादन की मात्रा में होने वाली अनुपातिक वृद्धि कम और कम होती जाती है उदाहरण के लिए उत्पादन के साधनों में 25% की वृद्धि की जाती है तो उसके परिणाम स्वरुप उत्पादन में केवल 20% की वृद्धि होती है या स्थिति पैमाने के घटते प्रतिफल की होती है जैसा की चित्र में दिखाया गया है

ग्राफ:-

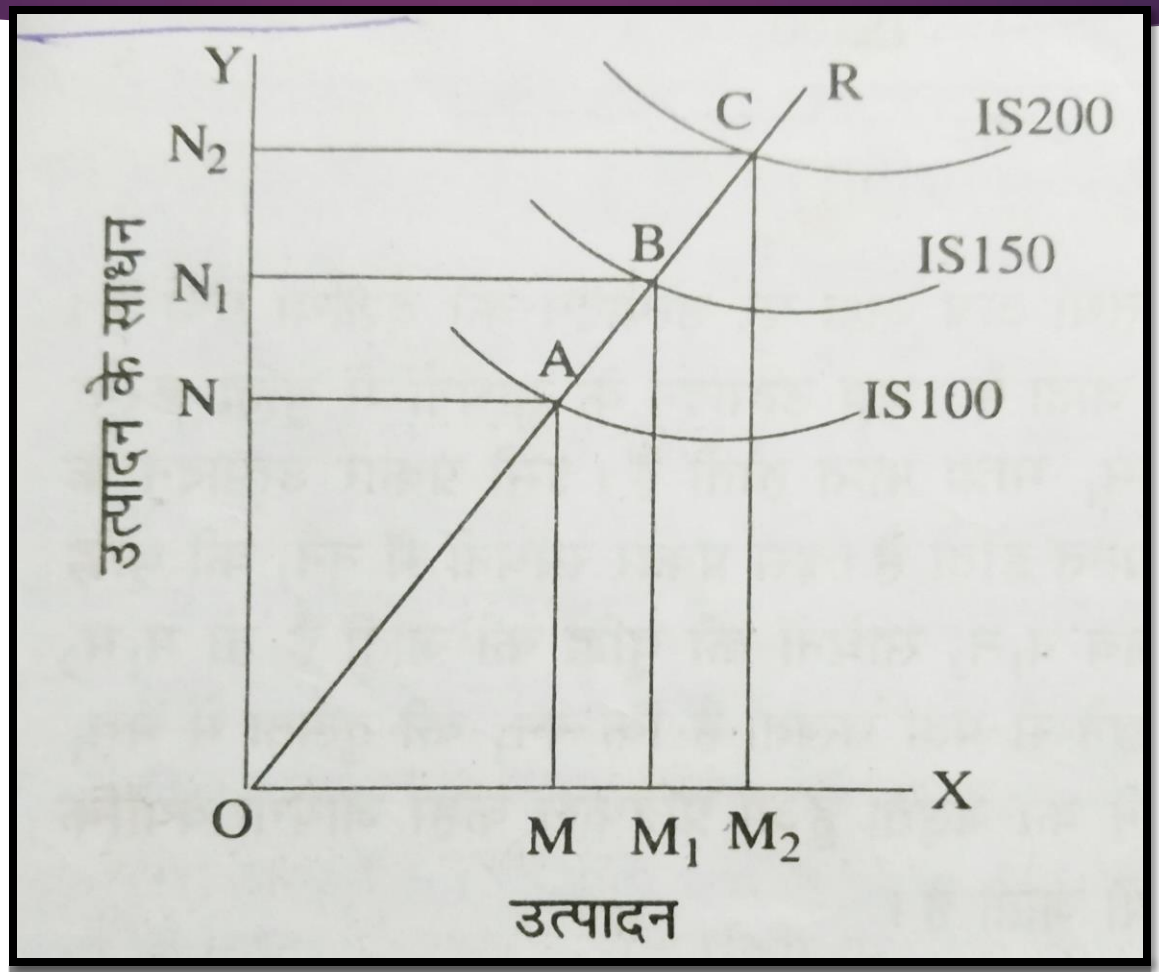

THANK YOU!